

इंदौर के विकास को मिली नई रफ्तार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर में मेट्रो ट्रेन का विस्तार केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत है। आज मेट्रो का नया चरण शुरू हुआ है और आने वाले समय में इसके और चरण पूरे होंगे। मेट्रो के माध्यम से इंदौर को उज्जैन और पीथमपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से जोड़ने का कार्यक्रमशः आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 5 सितम्बर को इंदौर में मेट्रो ट्रेन के नये चरण के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेट्रो के पहले चरण को मिले सकारात्मक प्रतिसाद के बाद अब इसका विस्तार शहर के अंदरूनी क्षेत्रों तक हो रहा है। यह सिलसिला लगातार आगे बढ़ेगा और आने वाले समय में मेट्रो इंदौर सहित पूरे मालवा क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को नयी दिशा देगी। इंदौर के मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 2 हजार 850 करोड़ रुपये की लागत से सुपर कॉरिडोर-3 से मालवीय नगर तक मेट्रो कॉरिडोर का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में अतिथियों ने बटन दबाकर मेट्रो का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। केंद्रीय आवास एवं शहरी राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्पमित्र भार्गव, विधायक श्री गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, श्री मधु वर्मा तथा सुश्री उषा ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण मौजूद थे। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि इंदौर में मेट्रो के नए 11 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर का शुभारंभ शहर के विकास की दिशा में मील का पत्थर है। पहले मेट्रो का लगभग 6 किलोमीटर का हिस्सा आउटर क्षेत्र तक सीमित था, लेकिन नए कॉरिडोर के जुड़ने से मेट्रो अब शहर के प्रमुख क्षेत्रों से भी जुड़ गई है। उन्होंने कहा कि मेट्रो के विस्तार से विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को सुरक्षित,



सुविधाजनक और समयबद्ध परिवहन की सुविधा मिलेगी। इससे शहर में आवागमन सुगम होगा और लोगों के समय की बचत होगी। उन्होंने कहा कि मेट्रो शहरों के विकास के साथ उद्योग और व्यापार को गति देने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्ष-2014 में देश के केवल पांच शहरों में 245 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क संचालित था, जबकि आज 26 शहरों में लगभग एक हजार 170 किलोमीटर लम्बा मेट्रो का नेटवर्क होने जा रहा है। केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि शहरीकरण, इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिकीकरण, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में तेजी से विकास होने पर ही भारत@2047 तक विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगा।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर मेट्रो की योजना का मूल उद्देश्य शहर के भीतर आवागमन को सुगम करने के साथ ही इंदौर के विस्तार को गति देना और शहर को विकेंद्रित करना था। इसी मूल उद्देश्य को पूरा करने के लिये मेट्रो परियोजना का विस्तार पीथमपुर, महु, देवास- मक्सी और उज्जैन तक किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पहला चरण शहर में पूरा होने के बाद दूसरे चरण का काम आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी इसके लिए आवश्यक स्वीकृति प्रदान की है। इसके बाद मेट्रो को पीथमपुर तक ले जाने की योजना है। आगे औद्योगिक क्षेत्रों से होते हुए उज्जैन, अवंतिकापुरी और मक्सी तक इसके विस्तार की परिकल्पना है।

मध्यप्रदेश प्रतिष्ठित 'अचीवमेंट इन जीआईएस अवार्ड' से सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व और मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में नगरीय विकास के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी और आधुनिक तकनीकों का बेहतर उपयोग किया जा रहा है। इसी तारतम्य में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा विकसित गरुड़ (जीआईएस आधारित अर्बन डेटा एनालिटिक्स सेंटर) के उत्कृष्ट उपयोग के लिए मध्यप्रदेश को प्रतिष्ठित 'अचीवमेंट इन जीआईएस अवार्ड' से सम्मानित किया गया है।



नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने नई दिल्ली में आयोजित समारोह में यह सम्मान ग्रहण किया। गरुड़ एक एकीकृत जीआईएस आधारित मंच है, जिसके माध्यम से नगरीय निकायों के विभिन्न शहरी एवं राजस्व संबंधी आंकड़ों को एकीकृत कर उनका स्थानिक विश्लेषण किया जा रहा है। इससे योजनाओं की बेहतर निगरानी, विश्लेषण और आंकड़ा आधारित निर्णय लेने में सहायता मिल रही है। गरुड़ के माध्यम से संपत्ति एवं राजस्व संबंधी जानकारी का मानचित्र आधारित विश्लेषण, अपंजीकृत एवं संभावित नई संपत्तियों की पहचान तथा राजस्व वृद्धि से जुड़े विश्लेषण किए जा रहे हैं। साथ ही जलापूर्ति एवं सीवरेज नेटवर्क, भूमि उपयोग, अतिक्रमण, भवन अनुज्ञा और नगरीय अधोसंरचना की निगरानी को भी अधिक प्रभावी बनाया गया

है। गरुड़ के अंतर्गत विकसित पर्यवेक्षण प्रणाली से नगरीय सेवाओं एवं अधोसंरचना की स्थिति का मानचित्र आधारित विश्लेषण संभव हो रहा है। इससे परिसंपत्तियों की निगरानी और शहरी सेवाओं के बेहतर प्रबंधन में सहायता मिल रही है। श्री संकेत भोंडवे ने कहा कि यह सम्मान मध्यप्रदेश में तकनीक आधारित सुशासन और आधुनिक नगरीय प्रबंधन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। गरुड़ के माध्यम से आंकड़ों को निर्णय लेने का प्रभावी आधार बनाया जा रहा है, जिससे नगरीय निकायों की कार्यक्षमता, राजस्व प्रबंधन और नागरिक सेवाओं को और बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी। श्री भोंडवे के साथ इस अवसर पर CTO श्री शिवम त्रिपाठी व GIS Expert मनीष तिवारी और श्याम अग्रवाल मौजूद रहे।



विश्व ईवी दिवस पर भोपाल में इलेक्ट्रिक वाहन जागरूकता रैली एवं ईवी एक्सपो आयोजित

भोपाल, 9 सितंबर 2026। विश्व ईवी दिवस के अवसर पर मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट), भोपाल द्वारा नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्यप्रदेश शासन के सहयोग तथा सिटीज फोरम के तकनीकी सहयोग से इलेक्ट्रिक वाहन जागरूकता रैली एवं ईवी एक्सपो का आयोजन किया गया। इलेक्ट्रिक वाहन जागरूकता रैली का शुभारंभ गोविंदपुरा दशहरा मैदान से हुआ। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए मैनिट परिसर पहुंची। रैली में 50 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों ने सहभागिता की। इनमें इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन, कार, ई-ऑटो, वाणिज्यिक ई-ऑटो, इलेक्ट्रिक पिकअप वाहन तथा इलेक्ट्रिक बस शामिल थीं। रैली के माध्यम से नागरिकों को पर्यावरण-अनुकूल एवं सतत परिवहन के प्रति जागरूक किया गया।

आयोजन का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा, सतत परिवहन तथा पर्यावरण-अनुकूल नगरीय परिवहन को बढ़ावा देना और नागरिकों में इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शैक्षणिक संस्थानों, इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनियों, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाताओं, मोबिलिटी विशेषज्ञों तथा नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के माध्यम से मध्यप्रदेश सहित देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को मिल रही गति और स्वच्छ परिवहन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर आयुक्त, नगरीय विकास एवं आवास विभाग श्री अभिषेक सराफ ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2025 के माध्यम से भविष्य

की आवश्यकताओं के अनुरूप इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इकोसिस्टम विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नीति के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, चार्जिंग अधोसंरचना के विस्तार तथा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं भोपाल नगर निगम की अपर आयुक्त सुश्री अंजू अरुण कुमार, ने कहा कि स्वच्छ और सुरक्षित नगरीय परिवहन व्यवस्था के लिए नागरिक सहभागिता, चार्जिंग अधोसंरचना का विस्तार और नवाचार महत्वपूर्ण हैं। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी नगरीय वायु प्रदूषण को कम करने के साथ ही देश के जलवायु एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। विश्व ईवी दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में हो रही प्रगति को भी रेखांकित किया गया। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2026 में प्रदेश में 15 हजार 838 इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीयन हुआ, जो देश के कुल ईवी बाजार का 5 प्रतिशत से अधिक है।

प्रदेश में पिछले पांच वर्षों के दौरान 1,400 से अधिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं। इससे प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के विस्तार के लिए मजबूत आधार तैयार हुआ है। गौरतलब है कि मैनिट परिसर में आयोजित ईवी एक्सपो में प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियों द्वारा नवीनतम इलेक्ट्रिक वाहनों एवं तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।

विकास कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता और तकनीकी उत्कृष्टता सुनिश्चित करने में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका

अभियंता दिवस के अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा सुंदरलाल पटवा नगर प्रबंध संस्थान, भौरी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने उपस्थित अभियंताओं को प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रोत्साहित किया। आयुक्त श्री भोंडवे ने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता और तकनीकी उत्कृष्टता सुनिश्चित करने में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अभियंताओं की तकनीकी दक्षता एवं जनहित के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए सभी अभियंताओं को अभियंता दिवस की शुभकामनाएँ दीं।



कार्यक्रम में पूर्व प्रमुख अभियंता श्री जी.पी. कटारे एवं पूर्व अधीक्षण यंत्री श्री राजीव गोस्वामी ने भी अपने दीर्घ अनुभव साझा किए। उन्होंने अभियंताओं को तकनीकी कार्यों के साथ-साथ जनहित एवं सेवा भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के

लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समन्वय कार्यपालन अभियंता श्री सचिन कडु द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विभाग के अभियंता एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

